

शिक्षण आकलन योजना

समूह 1 के बच्चों के रोल नम्बर :	समूह 2 के बच्चों के रोल नम्बर :	
सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण अधिगम उद्देश्य :- ① समस्त विद्यार्थियों को आँकड़ों का प्रबन्धन समझाना। ② आँकड़ों से सम्बन्धित पूर्ण ज्ञान अर्जाना।		
सम्पूर्ण कक्षा के लिए प्रस्तावित गतिविधियां (सामूहिक, उपसमूह एवं व्यक्तिगत)	सतत आकलन योजना	समीक्षा एवं अनुभव (बच्चों की सहभागिता/कठिनाई एवं योजना में बदलाव के बारे में)
सामूहिक गतिविधि सामूहिक रूप से सभी विद्यार्थियों को आँकड़ों संकलित करना तथा इनका विश्लेषण करना।	छात्रों के सहयोग से प्रश्नावली तैयार हुई।	साप्ताहिक से तक
बतलाना विद्यार्थियों को दी गई जानकारी के आधार पर विशेष सूचनाएँ निकाल पाने में सक्षम बनाना। जैसे - निम्न विषयों में विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त किए गए अंक निम्न हैं।	उपसमूहों में तथा व्यक्तिगत रूप से विद्यार्थियों को दिए गए आँकड़ों को हल की जांच कर आकलन करना।	लगभग समस्त विद्यार्थियों की पूर्ण सहभागिता रही। विद्यार्थियों ने रुचि दिखाई।
राहुल 7/10 बन्दी 6/10 मनदीप 5/10	कुलविन्द = 8/10 रीना = 4/10 लक्ष्मी = 6/10	
दिए गए आँकड़ों में से सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी तथा उसके अंक - कुलविन्द = 8/10		
सबसे कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी = रीना = 4/10		
व्यक्तिगत रूप से विद्यार्थियों को आँकड़ों से सम्बन्धित प्रश्न हल करने हेतु देना।		

समूह 1 के लिए क्षमता वर्धन योजना -		पाक्षिक से तक
समस्त विद्यार्थियों को अपनी पाठ्यपुस्तक के समस्त प्रश्नों को हल करने को बिल्कुल देना।		
पर्याप्त अभ्यास के लिए पारवश में 340-आंकड़ों की सहायता देने के लिए प्रेरित करना।		
समूह 2 के लिए शिक्षण उद्देश्य -		
कक्षा - 1 के बिना हासिल के जोड़ समझाना।		
कक्षा - 1 के बिना हासिल के घटाव समझाना।		
समूह 2 के लिए आवश्यकतानुसार शिक्षण योजना (सामूहिक, उपसमूह, व्यक्तिगत) -		
<u>सामूहिक गतिविधि</u> →	जोड़ के सवाल (बिना हासिल के) करवाये जाएंगे।	बच्चों ने पूर्ण सहभागिता से काम किया।
	घटाव के सवाल (बिना हासिल के) करवाये जाएंगे।	
<u>व्यक्तिगत काम</u> →	अभ्यास काम के रूप में जोड़ व घटाव के (बिना हासिल के) सवाल हल करने दिए जाएंगे।	गृहकाम की जांच कर पुनर्बलन प्रदान करा।
पाक्षिक योजना में अधिगम उपलब्धि -		संस्था प्रधान का अभिमत :-
	विद्यार्थियों ने आंकड़ों को रकड़ित करना सीखा।	www.rajteachers.com
	विद्यार्थियों ने प्रश्नावली को समझने में सक्षम हुए।	